



वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओनोस): शिक्षा, अनुसंधान एवं पुस्तकालय में नवाचार

माधुरी गौतम, पीएच-डी, पुस्तकालय विभाग
नेहरू पुस्तकालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE



Author

माधुरी गौतम, पीएच-डी

E-mail : gautammadhuri3571@gmail.com

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 17/03/2026
Revised on : 18/05/2026
Accepted on : 27/05/2026
Overall Similarity : 00% on 19/05/2026



Plagiarism Checker X - Report

Originality Assessment

0%

Overall Similarity

Date: May 19, 2026 (03:08 PM)
Matches: 0 / 1753 words
Sources: 0

Remarks: No similarity found,
your document looks healthy.

Verify Report:
Scan this QR Code



शोध सार

इस लेख के द्वारा वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) कार्यक्रम जो भारत में उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, इसकी जानकारी दी गई है। इस विषय पर सर्वप्रथम चर्चा 25 नवम्बर 2024 में की गई, यह कार्यक्रम भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित कर शुरू किया गया, जिसे 01 जनवरी 2025 को पूरे देश में लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों, शोधकर्ताओं, विद्वानों और वैज्ञानिकों को एक ही प्लेटफार्म पर 13,000 से अधिक पत्रिकाओं तक निःशुल्क पहुंच प्रदान करना है। यह पूरे देश में 6300 से अधिक सरकारी, उच्च शिक्षा, अनुसंधान और विकास संस्थाओं को कवर करता है। पुस्तकालय के द्वारा ही इन सूचनाओं तक पहुंच की जा सकती है।

मुख्य शब्द

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन, शिक्षा, अनुसंधान, सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क, डिजिटल प्लेटफार्म।

परिचय

भारत के प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2022 को लाल किले के प्राचीर से देश को सम्बोधित करते हुए अमृत काल कार्यक्रम में देश में अनुसंधान और विकास के महत्व पर जोर दिया उन्होंने इस अवसर पर "जय अनुसंधान" का नारा दिया यह हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) बताती है कि हमारे देश में बेहतरीन शिक्षा और विकास के लिये अनुसंधान और नवाचार जरूरी हैं। भारत को आत्मनिर्भर और विकसित भारत @ 2047 बनाने के इस कार्यक्रम में, भारत सरकार ने सभी उच्च शिक्षा संस्थाओं, केंद्रीय और राज्य सरकारों के अनुसंधान एवं विकास संस्थाओं के छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को, अन्तर्राष्ट्रीय उच्च-प्रभाव वाले शोध लेखों और पत्रिकाओं तक देशभर में पहुंच प्रदान करने के लिये वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना को मंजूरी दी।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन का तात्पर्य है सरकारी शैक्षणिक संस्थाओं के पुस्तकालय संघों द्वारा खरीदे ऑनलाइन पत्रिकाओं तक शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थाओं में एक ही

प्लेटफार्म पर पहुंच और विभिन्न संस्थाओं एवं सरकारी विश्वविद्यालयों द्वारा व्यक्तिगत सदस्यता तथा सरकार द्वारा लगभग 13000 ई-पत्रिकाओं विभिन्न प्रकाशनों से लेते हैं जिनमें विदेशी और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ भी शामिल है। इसके अलावा कुछ संसाधन भारत के कई संघों और संस्थाओं द्वारा लिये जाते हैं। ओनोस 30 प्रकाशनों से शैक्षणिक ई-संसाधनों एवं सामग्री तक केंद्रीयकृत पहुंच प्रदान करता है।

वर्ष 01 त 2025 तक ग्लोबल (ONOS) का प्रथम चरण 2025, 2026 एवं 2027 तीन वर्षों के लिये अनुमोदित किया गया है। पत्रिकाओं तक पहुंच सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (INFLIBNET-Information and Libaray Network) केंद्र, जो वि.वि. अनुदान आयोग (UGC) गाँधीनगर गुजरात का एक स्वायत्त अंतर वि0वि0 केंद्र है, द्वारा समन्वित राष्ट्रीय सदस्यता के माध्यम से प्रदान की जा रही हैं।

पृष्ठभूमि

ओनोस (ONOS) से पहले सरकारी विभागों, शैक्षणिक और अनुसंधान एवं विकास संस्थाओं के विभिन्न पुस्तकालय कंसोर्टिया के माध्यम से पत्रिकाओं तक पहुंच मिलती थी इसके साथ ही विभिन्न उच्च शिक्षा और अनुसंधान एवं विकास संस्थाओं द्वारा व्यक्तिगत सदस्यता के माध्यम से पत्रिकाओं तक पहुंच मिलती थी।

ओनोस (ONOS) में भारत के 10 प्रमुख पुस्तकालय कंसोर्टिया को शामिल किया गया या इन्हें वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन में मर्ज किया गया है।

भारत के 10 प्रमुख पुस्तकालय कंसोर्टिया

क्र.	कंसोर्टियम	संस्थान / विभाग / मंत्रालय
01	ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम	उच्च शिक्षा विभाग
02	राष्ट्रीय ज्ञान संसाधन कंसोर्टियम (NKRC)	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
03	DERCON कंसोर्टियम	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
04	सेरा कंसोर्टियम	कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
05	DRDO कंसोर्टियम	रक्षा अनुसंधान और विकास मंत्रालय
06	EPMED कंसोर्टियम	स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के तहत
07	Meity	इलेक्ट्रॉनिक संसाधन इन मेडिसिन इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
08	Delcon कंसोर्टियम	जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं उत्तर-पूर्वीय संस्थाएँ
09	DAE कंसोर्टियम	आणविक ऊर्जा विभाग
10	DOS कंसोर्टियम	अंतरिक्ष विभाग

इसके अलावा कई उच्च शिक्षा संस्थान इन प्रकाशकों के कुछ पत्रिकाओं की सदस्यता संस्था स्तर पर लेते थे।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन की क्या आवश्यकता है?

- सार्वजनिक धन से लाभ:** शैक्षणिक प्रकाशन एक अत्यधिक लाभदायक उद्योग है, जो 40 प्रतिशत तक के लाभ मार्जिन के साथ 19 बिलियन अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित करता है। हालांकि, यह लाभ मुख्य रूप से सार्वजनिक धन से प्राप्त होता है लेकिन यह कुछ निजी कंपनियों तक ही सीमित है।
- खराब गुणवत्ता वाले प्रकाशनों से बचाव:** कई निम्न-गुणवत्ता वाले जर्नल उचित पीयर रिव्यू (Peer Review) के बिना प्रकाशन शुल्क के लिए भारतीय शोधकर्ताओं का शोषण करते हैं, जिससे अनुसंधान की गुणवत्ता कम होती है।
- पहुँच की बाधाएँ दूर करना:** उच्च लागत के कारण सदस्यता आधारित मॉडल अनुसंधान तक पहुँच को सीमित करते हैं जिससे छोटे संस्थानों के शोधकर्ताओं की वैश्विक सहयोग करने की क्षमता कम हो जाती है। उदाहरण के लिए नेचर कम्युनिकेशन्स प्रति पेपर 6,790 डॉलर लेता है।
- लाभदायक समझौते:** भारतीय संस्थान अक्सर प्रकाशक समझौतों पर हस्ताक्षर करते हैं जो प्रकाशकों के हितों को बढ़ावा देते हैं जैसे कॉपीराइट का सीमित हस्तांतरण। यह भारतीय शोधकर्ताओं को अपने काम पर नियंत्रण करने से रोकता है।
- वित्तीय बोझ कम करना:** 2021 में भारतीय लेखकों ने गोल्ड ओपन एक्सेस जर्नल के लिए लेख प्रसंस्करण शुल्क (APC) के रूप में 380 करोड़ रुपये का भुगतान किया, जिससे शोधकर्ताओं पर वित्तीय बोझ का पता चलता है।

मुख्य विशेषताएं

ओनोस की मुख्य विशेषताएं निम्न हैं:

1. **संसाधनों तक एक ही जगह से पहुंच:** एक ही सब्सक्रिप्शन संसाधनों तक डिजिटल पहुंच, इससे छात्रों शिक्षकों और वैज्ञानिकों को पाठ्यपुस्तक, कोर्स, ट्यूटोरियल रिसर्च पेपर, वीडियो आदि जैसे कई तरह के सीखने की सामग्री तक एक ही जगह पहुंच मिलती है।
2. **सस्ती एवं मुफ्त शिक्षा:** यह सस्ती एवं मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है। यह छात्रों और संस्थाओं पर वित्तीय बोझ कम करता है। यह कई अलग-अलग सब्सक्रिप्शन के बजाय एक ही किफायती सब्सक्रिप्शन देता है, जिसमें कई शैक्षिक संसाधन एक ही प्लेटफॉर्म पर मुफ्त में उपलब्ध हो जाते हैं।
4. **डिजिटल प्लेटफॉर्म का एकीकरण:** ओनोस (ONOS) देश में एक ही सब्सक्रिप्शन के तहत ई-लर्निंग संसाधन, वर्चुअल क्लासरूम और पुस्तकालय जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। यह एकीकरण उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध सामग्री की गुणवत्ता और प्रकार में समानता सुनिश्चित करता है।
4. **कहीं भी, कभी भी आसानी से उपलब्ध:** चाहें आप शहरी क्षेत्र में हो या ग्रामीण क्षेत्र में, छात्र और शिक्षक समान उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक सामग्री तक पहुंच सकते हैं, जिससे डिजिटल विभाजन कम होता है। यह सुविधा यह सुनिश्चित करती है कि भारत भर के छात्र लाभान्वित हैं।
5. **विषय और कोर्स:** इस सब्सक्रिप्शन में STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) से लेकर मानविकी, सॉफ्ट स्किल और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक कई विषयों की सामग्री शामिल हो सकती है जो एक व्यापक सीखने का अनुभव प्रदान करता है।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन का महत्व

ओनोस का महत्व निम्न है:

1. **डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास को बढ़ावा देना:** ओनोस, सीखने के संसाधनों तक आसान पहुंच प्रदान करके, उपयोगकर्ताओं में डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास का बढ़ावा देता है, जिससे वे वैश्विक कार्य बल में आर्थिक प्रतिस्पर्धी बन सकें।
2. **निःशुल्क शिक्षा:** यह पहल उच्च गुणवत्ता वाले संसाधनों तक सस्ती और समान पहुंच प्रदान करके विभिन्न सामाजिक आर्थिक समूहों के बीच का अंतर कम करती है और भारत में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देती है।
3. **रिमोट लर्निंग:** यह कोविड-19 महामारी के संदर्भ में विशेष रूप से उपयोगी है, यह ऑनलाइन सीखने का समर्थन करता है, जो छात्रों को दूर से अपनी शिक्षा जारी रखने का एक विश्वसनीय तरीका प्रदान करता है।
4. **शैक्षिक गुणवत्ता और कौशल में सुधार:** विभिन्न प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्मों से शैक्षिक संसाधन प्रदान करके, यह पहल यह सुनिश्चित करती है कि शैक्षिक सामग्री उच्च गुणवत्ता वाली और नवीनतम रुझानों एवं तकनीकों के अनुरूप हो।
5. **आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करना:** ओनोस (ONOS) की सस्ती कीमत सभी उम्र के लोगों को आजीवन सीखने के लिए प्रोत्साहित करती है, चाहे वह व्यक्तिगत विकास, व्यावसायिक विकास या शैक्षणिक उन्नति के लिए हो।
6. **शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देना:** यह शिक्षण विधियों में नवाचार करता है, जो छात्रों और शिक्षकों को अधिक आकर्षक इंटरैक्टिव और व्यावहारिक सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए उपकरण प्रदान करता है।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन से जुड़ी समस्याएं

1. **ओपन एक्सेस में बदलाव:** 50 प्रतिशत से ज्यादा रिसर्च सामग्री मुफ्त में उपलब्ध होने से, ONOS पुराना हो सकता है।
2. **देशव्यापी सब्सक्रिप्शन की कमियां:** ONOS लोकप्रिय जर्नल को प्राथमिकता दे सकता है, जिससे खास विषयों को नज़रअंदाज़ किया जा सकता है। इससे छोटे समुदायों की पहुंच सीमित हो जाती है और रिसर्च में विविधता कम हो जाती है।
3. **कमर्शियल पब्लिशर का दबदबा:** ONOS ऐसे पश्चिमी पब्लिशर को बढ़ावा दे सकता है, जिनके मुनाफे का मार्जिन (40 प्रतिशत तक) ज्यादा है, जिससे सरकारी फंडिंग वाली रिसर्च को नुकसान हो सकता है।

4. **कॉपीराइट की समस्याएं:** रिसर्च करते समय लेखक अक्सर कॉपीराइट छोड़ देते हैं जिससे पब्लिशर बिना अनुमति के उनका काम इस्तेमाल कर सकते हैं। उदाहरण के लिए टेलर एंड फ्रांसिस ने माइक्रोसॉफ्ट को AI ट्रेनिंग के लिए अपने जर्नल इस्तेमाल करने की अनुमति दी, लेकिन चूंकि लेखकों के पास कॉपीराइट नहीं था, इसलिए माइक्रोसॉफ्ट को अनुमति की जरूरत नहीं थी।
5. **डिजिटल कंटेंट का संरक्षण:** कंटेंट संरक्षण के लिए पब्लिशर पर निर्भर रहना जोखिम भरा है, जैसा कि 2023 में हैटेरोसाइकिल्स के बंद होने से पता चला जो जापान इंस्टीट्यूट ऑफ हैटेरोसाइकिलक केमिस्ट्री द्वारा प्रकाशित एक जर्नल था। इससे 17,000 लेख असेसिबल नहीं रह गए।
6. **अन्य समस्याएं:** भारतीय जर्नलों को समर्थन की कमी, ONOS के तहत चयन, मॉनिटरिंग आदि से संबंधित पारदर्शिता की समस्याएं, टियर 2 और टियर 3 शहरों में इंटरनेट की उपलब्धता की समस्या आदि।

निष्कर्ष

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन छात्रों, संस्था के सदस्यों, वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं एवं पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह योजना ई-संसाधनों के लिए एक एकल प्लेटफॉर्म खोज इंजन प्रदान करती है। इस योजना की विशेषताएं हैं, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का निर्माण, वित्तीय सहायता, पुस्तकालय सदस्यता निःशुल्क शिक्षा, आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करना, शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देना आदि करता है। एक पुस्तकालय कर्मचारी के रूप में सभी उपयोगकर्ताओं को नवीनतम सुविधा उपलब्ध कराने में समक्ष हैं।

संदर्भ सूची

1. मुंशी, उषा माजू और अरोड़ा, जगदीश (2021) *वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन*, ओकेजनल पब्लिकेशन 111, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, पृ. 1-2।
2. <http://www.education.gov.in>, Accessed on 04/10/2025.
3. <http://www.india.gov.in>, Accessed on 02/10/2025.
4. <http://www.Inflibnet.ac.in>, Accessed on 01/10/2025.
5. <http://www.onos.gov.in>, Accessed on 02/10/2025.
6. <http://www.pib.gov.in>, Accessed on 01/10/2025.
